भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 936
गुरुवार, 27 जुलाई, 2023/5 श्रावण, 1945 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

पारि-पर्यटन को बढ़ावा देना

936 श्री राजीव शुक्ला:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार देश में, विशेषकर छत्तीसगढ़ में पारि-पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए उपाय कर रही है;

(ख) यदि हां, तो ऐसे उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ग) इसके तहत आने वाले पर्यटकों की कुल संख्या सहित इसके प्रभावों का ब्यौरा क्या है;

(घ) राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन (एनडीटीएम), जिसका उद्देश्य पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र में हितधारकों को डिजिटल रूप से जोड़ना है, के संबंध में हुई प्रगति और तत्संबंधी विशेषताओं का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इस संबंध में किए जाने वाले उपाय कौन-कौन से हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): ईको-पर्यटन सहित पर्यटन का संवर्धन और विकास मुख्यत राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों की जिम्मेदारी है।

तथापि, पर्यटन मंत्रालय समग्र रूप से भारत का संवर्धन करता है। अपनी चल रही गतिविधियों के हिस्से के रूप में, यह देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों और उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए 'अतुल्य भारत' ब्रांड-लाइन के तहत विदेशों में स्थित महत्वपूर्ण और संभावित बाजारों में वैश्विक प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और ऑनलाइन मीडिया अभियान जारी करता है।

भारत को विश्व स्तर पर ईको-पर्यटन के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करने के लिए, पर्यटन मंत्रालय ने ईको-पर्यटन के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है। कार्यनीति दस्तावेज में इको-पर्यटन के विकास के लिए निम्नलिखित कार्यनीतिक स्तंभों को चिन्हित किया गया है:

(i) राज्य मूल्यांकन और रैंकिंग
(ii) ईको पर्यटन के लिए राज्य कार्यनीति
(iii) आईईसी, क्षमता निर्माण और प्रमाणन

(iv) विपणन और संवर्धन
(v) गंतव्य और उत्पाद विकास
(vi) सार्वजनिक निजी और सामुदायिक भागीदारी
(vii) शासन और संस्थागत ढांचा

सचिव (पर्यटन) की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय सतत पर्यटन बोर्ड का गठन किया गया है जिसमें अभिज्ञात किए गए केन्द्रीय मंत्रालयों/संगठनों, राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों और उद्योग हितधारकों के प्रतिनिधि शामिल हैं । बोर्ड देश में सतत पर्यटन और ईको-पर्यटन के विकास के लिए विभिन्न कार्यनीतिक पहलों के संचालन और कार्यान्वयन का मार्गदर्शन करेगा ।

मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना के तहत पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए ईको-परिपथ को एक थीम के रूप में चिह्नित किया गया था । ईको-परिपथ के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं का ब्यौरा अनुबंध में दिया गया है ।

इसके अलावा, छत्तीसगढ़ सरकार ने सूचित किया है कि वह ईको-पर्यटन को बढ़ावा देने और प्रोत्साहित करने के लिए निम्नलिखित उपाय कर रही है:-

- पर्यटन हितधारकों का प्रशिक्षण, कार्यशालाएं और क्षमता निर्माण।
- युवा पर्यटन क्लब, एनसीसी, एनएसएस के माध्यम से स्वच्छता और ईको-पर्यटन के बारे में जागरूकता पैदा करना।
- विभिन्न स्थानों पर ऑक्सी जोन और नेचर क्योर सेंटर का निर्माण।
- विभिन्न ईको-पर्यटन संबंधी गतिविधियों जैसे ट्रेकिंग, बोटिंग/राफ्टिंग, कैंपिंग, स्टार गेजिंग, स्थानीय हाट यात्राओं, जनजातीय उत्सवों और प्रदर्शनों तथा स्थानीय पारंपरिक चिकित्सकों के संवर्धन के लिए स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्थानीय लोगों का सामुदायिक संवेदीकरण और उन्हें शामिल करना।
- जनजातीय पर्यटन परिपथ के रिसॉर्ट्स और उसके आसपास नेचर ट्रेल्स का निर्माण।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा निम्नलिखित प्रभावों को देखा गया है:-

- स्थानीय अनुभवों के माध्यम से उत्पाद और पर्यटन की पेशकश में वृद्धि।
- इसके परिणामस्वरूप भारत के पर्यटन मानचित्र में छत्तीसगढ़ की स्थिति बेहतर हुई है।
- पर्यटन क्षेत्र में रोजगार और स्थानीय लोगों की भागीदारी में वृद्धि।
- राज्य में पर्यटक आमद में उल्लेखनीय वृद्धि।

(घ) से (ङ) पर्यटन मंत्रालय ने राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन (एनडीटीएम) पर एक रिपोर्ट प्रकाशित की है।

राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन राष्ट्रीय और राज्य पर्यटन संगठनों, पर्यटन सेवा प्रदाताओं, पर्यटन स्थलों, उत्पादों, अनुभवों और पर्यटकों तक फैले पर्यटन क्षेत्र में सूचना और सेवाओं के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करके पर्यटन क्षेत्र में डिजिटलीकरण की पूरी क्षमता का उपयोग करने के उद्देश्य को प्राप्त करने की परिकल्पना करता है।

राष्ट्रीय डिजिटल पर्यटन मिशन का विजन डिजिटल हाइवे के माध्यम से पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र के विभिन्न हितधारकों के बीच मौजूदा सूचना के अंतर को कम करना है।

*****

अनुबंध

पारि-पर्यटन को बढ़ावा देने के संबंध में दिनांक 27.07.2023 के राज्य सभा के लिखित प्रश्न सं. 936 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में विवरण

देश में स्वदेश दर्शन योजना के इको परिपथ थीम के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

(राशि करोड़ रु. में)

| क्र. सं. | राज्य का नाम | वर्ष | परियोजना का नाम | स्वीकृत राशि | निर्मुक्त राशि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | उत्तराखंड | (2015-16) | टिहरी झील के आसपास टिहरी-चंबा-सराइन में परिपथ का विकास। | 69.17 | 69.17 |
| 2. | तेलंगाना | (2015-16) | महबूबनगर जिलों (सोमासिला, सिंगोटम, कडलाईवनम, अक्कामहादेवी, एगलानपंता, फराहाबाद, उमा महेश्वरम, मल्लेलातीर्थम) में परिपथ का विकास | 91.62 | 91.25 |
| 3. | केरल | (2015-16) | पथनमथिट्टा-गावी-वागामोन-थेक्कडी का विकास। | 64.08 | 64.08 |
| 4. | मिजोरम | (2016-17) | आइजोल-रॉपुइचिप - खव्फावप - लेंगपुई - चैटलांग- साकावरमुइतुइतलांग - मुथी - बेरातलावंग-तुइरियल एयरफील्ड - ह्मुइफांग में इको-एडवेंचर परिपथ का विकास | 66.37 | 49.53 |
| 5. | मध्य प्रदेश | (2017-18) | गांधीसागर बांध- मंडलेश्वर बांध-ओंकारेश्वर बांध-इंदिरा सागर बांध-तवा बांध-बरगी बांध-भेड़ा घाट-बाणसागर बांध-केन नदी का विकास | 93.76 | 89.07 |
| 6. | झारखंड | (2018-19) | ईको पर्यटन परिपथ का विकासः दलमा-बेतला नेशनल पार्क- मिरचइया-नेतरहाट | 30.11 | 26.37 |
| | | | कुल | 415.11 | 389.47 |

*****